Title: Need to release commemorative stamps in the name of late Shri Rajnarain, freedom fighter.

श्री हरिकेवल प्रसाद (सलेमपुर) : अध्यक्ष महोदय, स्वतंत्रता संग्राम के अग्रणी नेता, समाजवादी आन्दोलन के पुरोधा, आपातकाल के नायक, लोकतंत्र के सजग पहरुआ और पूर्व केन्द्रीय मंत्री स्वर्गीय श्री राजनारायण की स्मति में स्मारक डाक टिकट जारी करने की मांग लम्बे समय से की जाती रही है। इस महत्वपूर्ण विषय को मैंने लोक सभा में कई बार उठाया लेकिन केन्द्र सरकार द्वारा इस मामले में दोहरा मापदंड अपनाया जाता रहा है और अभी तक स्वर्गीय राजनारायण पर स्मारक डाक टिकट जारी नहीं किया गया जबकि अनेक पूर्व केन्द्रीय मंत्रियों, समाज सेवियों और स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की स्मति में डाक टिकट जारी किए गए हैं। स्वतंत्रता संग्राम के दौरान स्वर्गीय श्री राजनारायण ने अग्रणी भूमिका निभायी और अनेक बार जेल की कठोर यातनाएं सहीं। आजादी के बाद शोषण, अन्याय, आर्थिक और सामाजिक गैर-बराबरी के विरुद्ध अनवरत संघर्ष करते हुए वह पचास से अधिक बार जेल गए। उत्तर प्रदेश की विधान सभा से लेकर संसद के दोनों सदनों का प्रतिनिधित्व करते हुए उन्होंने लोकतंत्रीय व्यवस्था की मजबती में महत्वपूर्ण योगदनि दिया।

अध्यक्ष महोदयः इतने बड़े भाषण की जरूरत नहीं है। We all know Shri Raj Narayan.

श्री हरिकेवल प्रसाद : अध्यक्ष महोदय, हमने दलीय भावनाओं से ऊपर उठ कर संचार मंत्री जी को चिट्ठी लिखी और आपकी आज्ञा से सदन में इस मामले को उठाया था। संचार मंत्री जी ने उत्तर देत हुए लिखा कि राजनारायण जी इस परिधि में आते ही नहीं हैं। राजनारायण जी जैसे आदमी जिन्होंने देश की आजादी की लड़ाई लड़ते हुए कुर्बानी दी, जो सदन के मैम्बर रहे, उनक बारे में संचार मंत्री ने लिखा कि वह उस परिधि में नहीं आते हैं। मैं सरकार और सभी दलों के लोगों से मांग करता हूं कि वे दलीय भावानाओं से ऊपर उठ कर राजनारायण जैसे आदमी पर स्मारक डाक टिकट जारी करवाने की कृपा करें। (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: It is very unfortunate. अब किसी को नहीं बुलाएंगे । I am on my legs.

. (*Interruptions*)

श्री राम गोपाल यादव : अध्यक्ष महोदय, मैं भी अपने आपको इससे संबद्ध करता हूं.(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : श्री इलियास आज़मी, आप बैठिए ।

...(व्यवधान)

श्री इलियास आज़मी : अध्यक्ष महोदय, उनके परिवार के लोगों को.(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : जब हम खड़े होंगे तो आपको बैठना होगा । हमने इसकी महत्ता को समझकर ही, राजनारायण जी के बारे में बोलने की परमिशन दी है। यह गंभीर मुद्दा है । सरकार को इस पर सोचना चाहिए।

...(व्यवधान)

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव : अध्यक्ष महोदय, मैं कहना चाहता हूं.(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आपको भी बुलाएंगे। आप संतुष्ट नहीं हैं । हमने कहा है कि प्रिविलेज मैटर विचाराधीन है। अगर आप संतुष्ट नहीं है तो आपको बुलाएंगे । आप हमारे साथ कोऑपरेट करिए। My Hindi is improving!